

प्रेषक,

अरविन्द सिंह हयांकी,  
सचिव (प्रभारी),  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
मत्स्य, उत्तराखण्ड/सचिव  
उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण,  
देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 21 जून, 2017

विषय- नौकुचियाताल को प्रायोगिक तौर पर मात्स्यिकी कार्य हेतु निविदा के माध्यम से 03 वर्षों की अवधि के लिये आवंटित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, मत्स्य, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-1592/झील/2017-18, दिनांक 19.04.2017 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में जनपद नैनीताल स्थित नौकुचियाताल को मात्स्यिकी विकास कार्य, संरक्षण, संवर्द्धन एवं दोहन आदि कार्यों के दृष्टिगत शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त नौकुचियाताल में 03 वर्षों की अवधि के लिये निविदा के माध्यम से शिकारमाही हेतु आरक्षित मूल्य ₹ 5.25 लाख (₹ पाँच लाख, पच्चीस हजार मात्र) निर्धारित किये जाने तथा जलाशय की प्रबंध व्यवस्था निर्धारित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

2- अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है निम्न व्यवस्थानुसार तत्काल शिकारमाही निविदा प्रक्रिया प्रारम्भ किया जाना सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को अवगत कराने का कष्ट करें-

1. मत्स्य शिकारमाही प्रक्रिया/उत्तराखण्ड स्थित नौकुचियाताल की प्रबंध व्यवस्था में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमेन्ट) नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा मत्स्य शिकारमाही हेतु ठेका ई-निविदा पद्धति से कराया जायेगा।
2. निविदाएं आमंत्रित करने की सूचनाएं व्यापक प्रचार-प्रसार वाले स्थानीय व राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा एन०आई०सी० की वेबसाइट पर प्रसारित की जायेगी।
3. निविदायें तकनीकी एवं वित्तीय बिड अलग-अलग सील कवर में आमंत्रित की जायेंगी।
4. नौकुचियाताल के ठेके की अवधि 3 (तीन) वर्ष होगी तथा अवधि की गणना आगामी 01 जुलाई से 30 जून तक की अवधि को सम्मिलित कर की जायेगी।
5. निविदाओं में प्रतिभाग करने वाले निविदादाताओं द्वारा निविदा की शर्तों की सहमति हेतु सहमति पत्र, धरोहर की धनराशि तथा सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी से प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र एवं हैसियत प्रमाण पत्र, अदेयता प्रमाण पत्र तथा ₹ 100/- का स्टाम्प पेपर (अनुबन्धित) निविदा के साथ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा, ऐसा प्रमाणक प्रस्तुत न किये जाने पर सम्बन्धित निविदादाता की निविदा को नहीं खोला जायेगा एवं उन निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

6. उच्चतम निविदादाता द्वारा स्वीकृत निविदा धनराशि के 25 प्रतिशत का भुगतान प्रथम वर्ष में तत्काल बैंक ड्राफ्ट द्वारा अथवा नकद रूप में किया जायेगा। शेष 75 प्रतिशत का भुगतान समतुल्य किश्तों में सम्बन्धित वर्ष के माह सितम्बर, दिसम्बर एवं मार्च के अंत में करना अनिवार्य होगा।
7. निविदाओं को खोले जाने तथा इन पर समिति द्वारा विचारोपरान्त निर्णय निम्नलिखित समिति द्वारा लिया जायेगा:-

- |    |  |   |            |
|----|--|---|------------|
| 1. | निदेशक मत्स्य, उत्तराखण्ड  | - | अध्यक्ष    |
| 2. | उप निदेशक मत्स्य (नियो0), मत्स्य निदेशालय, उत्तराखण्ड                | - | सदस्य सचिव |
| 3. | मुख्य विकास अधिकारी, नैनीताल अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि        | - | सदस्य      |
| 4. | प्रबन्ध निदेशक, झील विकास प्राधिकरण अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि | - | सदस्य      |

3- उपरोक्त समिति की संस्तुति के आधार पर जलाशय के मात्स्यिकी प्रबंध व मत्स्य निकासी के ठेके की स्वीकृति संबंधी आदेश शासन की स्वीकृति के उपरान्त निदेशक, मत्स्य द्वारा निर्गत किया जायेगा।

अतः उक्त प्रबंध व्यवस्था/आवश्यक शर्तों के अधीन अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अनुबन्धों की शर्तें पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक: यथोपरि

भवदीय,

(अरविन्द सिंह हयांकी)  
सचिव (प्रभारी)

संख्या-२२४ ( )/XV-3/2017-03(07)/2016, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
3. अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. प्रमुख सचिव, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
7. जिलाधिकारी, नैनीताल।
8. प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(आनन्द स्वरूप)  
अपर सचिव